Arth Parkash 18.3.26

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के सरल व प्रभावी उपाय बताए। विशेष रूप से उन्होंने अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल्स और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डॉ. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की और कहा कि आज के तकनीक-प्रधान युग में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विष्णु अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों तथा व्यापक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के सरल व प्रभावी उपाय बताए। विशेष रूप से उन्होंने अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल्स और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डॉ. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की और कहा कि आज के तकनीक-प्रधान युग में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विष्णु अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों तथा व्यापक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने प्रतिभागियों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करते समय सतर्क रहने और ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र का समापन एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा तथा डिजिटल लेन-देन से जुड़े अपने सवालों के समाधान के लिए वक्ता से सीधे संवाद किया।

यह कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में डिजिटल सतर्कता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के महत्व को भी रेखांकित किया।

Dainik Jagran 18-3-26

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता के लिए एसडी कालेज में कार्यक्रम

साइबर सुरक्षा पर आयोजित कार्यशाला में भाग लेते स्टूडेंट्स • कालेज

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की शाखा द्वारा गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था।

कार्यक्रम में आनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्राड और इंटरनेट मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने जानकारी दी। मुख्य वक्ता नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

उन्होंने सुरक्षित आनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफार्म के जिम्मेदार उपयोग और आनलाइन बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के उपाय बताए। विशेष रूप से, उन्होंने अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल्स और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में कालेज के प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डा. शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

डेमोक्रेटिक फंट चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए।

उन्होंने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के सरल व प्रभावी उपाय बताए। विशेष रूप से उन्होंने अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल्स और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डॉ. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की और कहा कि आज के तकनीक-प्रधान युग में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विष्णु अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों तथा व्यापक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने प्रतिभागियों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करते समय सतर्क रहने और ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र का समापन एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा तथा डिजिटल लेन-देन से जुड़े अपने सवालों के समाधान के लिए वक्ता से सीधे संवाद किया। यह कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में डिजिटल सतर्कता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के महत्व को भी रेखांकित किया।

Divya Himachal 18-3-26

एसडी कालेज में साइबर सुरक्षा कार्यशाला

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचावए डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन बैंकिंग लेन देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के सरल व प्रभावी उपाय बताए। विशेष रूप से उन्होंने अनजान लिंकए संदिग्ध कॉल्स और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डा. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल। सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने दैनिक

जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के सरल व प्रभावी उपाय बताए। विशेष रूप से उन्होंने अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल्स और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डॉ. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की और कहा कि आज के तकनीक-प्रधान युग में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विष्णु अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों तथा व्यापक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करते समय सतर्क रहने और ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र का समापन एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा तथा डिजिटल लेन-देन से जुड़े अपने सवालों के समाधान के लिए वक्ता से सीधे संवाद किया। यह कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में डिजिटल सतर्कता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के महत्व को भी रेखांकित किया।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना था। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने दैनिक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि कैसे साइबर अपराधी लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। उन्होंने अनजान लिंक पर क्लिक करने और अपना ओटीपी साझा करने से होने वाले खतरों के बारे में बताया। सोशल मीडिया और बैंकिंग खातों के लिए जटिल पासवर्ड का उपयोग करने की सलाह दी। ऑनलाइन लेनदेन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों और संदिग्ध कॉल्स से सतर्क रहने के उपाय साझा किए। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि तकनीकी युग में छात्रों का डिजिटल रूप से साक्षर और जिम्मेदार होना अनिवार्य है। वहीं, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल ने बताया कि बैंक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 'सावधानी ही साइबर सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। तकनीक का उपयोग करते समय हमारी सतर्कता ही हमें बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकती है।' सत्र के अंत में एक इंटरैक्टिव चर्चा हुई, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रों ने ऑनलाइन लेनदेन और सोशल मीडिया सुरक्षा से जुड़े अपने सवाल विशेषज्ञों के सामने रखे, जिनका मौके पर ही समाधान किया गया। इस कार्यक्रम ने न केवल ज्ञानवर्धन किया, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में डिजिटल सतर्कता के महत्व को भी रेखांकित किया।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के सरल व प्रभावी उपाय बताए। विशेष रूप से उन्होंने अनजान लिंक, संदिग्ध कॉल्स और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डॉ. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की और कहा कि आज के तकनीक-प्रधान युग में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विष्णु अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों तथा व्यापक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने प्रतिभागियों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करते समय सतर्क रहने और ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र का समापन एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा तथा डिजिटल लेन-देन से जुड़े अपने सवालों के समाधान के लिए वक्ता से सीधे संवाद किया। यह कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में डिजिटल सतर्कता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के महत्व को भी रेखांकित किया।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के सरल व प्रभावी उपाय बताए। विशेष रूप से उन्होंने अनजान लिंक, संदिग्ध

कॉल्स और भ्रामक संदेशों से सतर्क रहने, मजबूत पासवर्ड का उपयोग और व्यक्तिगत जानकारी को सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डॉ. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की और कहा कि आज के तकनीक-प्रधान युग में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विष्णु अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों तथा व्यापक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का उपयोग करते समय सतर्क रहने और ऑनलाइन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र का समापन एक इंटरैक्टिव चर्चा के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा तथा डिजिटल लेन-देन से जुड़े अपने सवालों के समाधान के लिए वक्ता से सीधे संवाद किया। यह कार्यक्रम न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में डिजिटल सतर्कता और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के महत्व को भी रेखांकित किया।

Central Bank hosts Cybersecurity talk at GGDSD College

Chandigarh: The Sector 32 Branch of Central Bank of India organized an informative talk on Digital Safety and Cybersecurity at Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma College, Sector 32, Chandigarh. The session aimed to create awareness among students and faculty about the growing importance of safeguarding personal and financial information in the digital age.The talk was delivered by Ms. Navneet Kaur, who elaborated on various aspects of digital security, including safe online practices, protection from cyber frauds, responsible use of digital platforms, and precautions while carrying out online banking transactions. Through practical examples and useful tips, she sensitized the audience about common cyber threats and ways to prevent them.The programme was conducted in the presence of Dr. Ajay Sharma, Principal of the college, and Mr. Vishnu Aggarwal, Branch Manager, Central Bank of India, Sector 32 Branch. Addressing the gathering, Dr. Ajay Sharma appreciated the initiative taken by the Central Bank of India in educating young minds about digital awareness and emphasized the need for responsible and secure digital behaviour in today's technology-driven world.Mr. Vishnu Aggarwal also highlighted the bank's commitment to promoting financial literacy and cyber awareness among students and the wider community. He encouraged participants to remain vigilant while using digital banking services and to adopt best practices for online safety.

The session concluded with an interactive discussion, where students enthusiastically engaged with the speaker and clarified their queries related to cybersecurity and digital transactions. The event proved to be highly enlightening and reinforced the importance of digital vigilance in everyday life.

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, डिजिटल प्लेटफॉर्म के जिम्मेदार उपयोग और ऑनलाइन बैंकिंग लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने दैनिक जीवन से जुड़े व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से साइबर अपराधों के सामान्य तरीकों को स्पष्ट किया और उनसे बचने के सरल व प्रभावी उपाय बताए। विशेष

कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डॉ. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की और कहा कि आज के तकनीक-प्रधान युग में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विष्णु अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों तथा व्यापक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंट्रल बैंक ने एसडी कॉलेज में किया कार्यक्रम

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़ (विज) : सेक्टर-32 स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा की ओर से गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज, सेक्टर-32 में डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत करना और व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी की सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना था। इस दौरान ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड और सोशल मीडिया के दुरुपयोग जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवनीत कौर ने डिजिटल सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर अत्यंत सहज और प्रभावी ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। विशेष कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सेक्टर-32 शाखा के शाखा प्रबंधक विष्णु अग्रवाल भी उपस्थित रहे। डॉ. अजय शर्मा ने बैंक द्वारा डिजिटल जागरूकता बढ़ाने के लिए उठाए गए इस कदम की सराहना की और कहा कि आज के तकनीक-प्रधान युग में विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार अपनाना अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विष्णु अग्रवाल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों तथा व्यापक समाज में वित्तीय साक्षरता और साइबर जागरूकता बढ़ाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।